भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2228

12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

टेली-मानस हेल्पलाइन को आरम्भ करना

2228. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकरः

श्री अरविंद गणपत सावंतः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने छात्रों, महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के लिए टेली-मानस हेल्पलाइन आरम्भ की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस हेल्पलाइन के मुख्य उद्देश्य क्या हैं और अब इसे किन-किन राज्यों में आरम्भ किया गया है;

(ख) क्या सरकार ने इस सेवा को बढ़ावा देने के लिए कोई जन-जागरूकता अभियान चलाया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान इन अभियानों के माध्यम से महाराष्ट्र में कितने लाभार्थियों ने इस सेवा का लाभ उठाया है;

(घ) क्या सरकार का इसकी पहुँच को और व्यापक बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों और पंचायती राज निकायों के साथ सहयोग करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) विगत दो वर्षों के दौरान टेली-मानस जन-जागरूकता और क्षमता-निर्माण कार्यकलापों हेतु कितनी निधि आवंटित की गई है और वास्तव में कितनी निधि खर्च की गई है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) भारत सरकार ने राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनटीएमएचपी) के अंतर्गत 10 अक्टूबर 2022 को टेली मानसिक स्वास्थ्य सहायता और राज्यों में नेटवर्किंग (टेली मानस) कार्यक्रम शुरू किया है। टेली मानस टोल-फ्री नंबर 14416 के माध्यम से छात्रों, महिलाओं, ग्रामीण युवाओं और अन्य अतिसंवेदनशील समूहों सहित सभी व्यक्तियों को निःशुल्क, गोपनीय और 24×7 मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं:

i. देश के प्रत्येक राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 24x7 टेली-मानसिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र स्थापित करके, पूरे भारत में किसी भी समय, किसी भी व्यक्ति तक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को तेजी से बढ़ाना।
ii. एक पूर्ण विकसित मानसिक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क को कार्यान्वित करना जो परामर्श के अतिरिक्त, एकीकृत चिकित्सा और मनोसामाजिक अंतःक्षेप प्रदान करता है।
iii. आबादी के अतिसंवेदनशील समूहों और दुर्गम क्षेत्रों तक सेवाओं का विस्तार करना।

दिनांक 27.11.2025 तक की स्थिति के अनुसार, 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने 53 टेली मानस प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं। टेली मानस सेवाएं राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा चुनी गई 20 भाषाओं में उपलब्ध हैं। हेल्पलाइन नंबर पर 29,82,000 से अधिक कॉल का निपटान किया जा चुका है।

सरकार ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस - 10 अक्टूबर, 2024 के अवसर पर टेली मानस मोबाइल एप्लिकेशन का भी शुभारंभ किया है। टेली मानस मोबाइल एप्लिकेशन एक व्यापक मोबाइल प्लेटफॉर्म है जिसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, जैसे कि आरोग्य से लेकर मानसिक विकारों तक, के लिए सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। सरकार ने टेली मानस के तहत वीडियो परामर्श सुविधा भी शुरू की है, जो पहले से मौजूद ऑडियो कॉलिंग सुविधा का एक और उन्नत संस्करण है।

(ख) सरकार ने सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए कई जन जागरूकता अभियान चलाए हैं। पिछले कुछ वर्षों में, बड़े पैमाने पर कई अभियान आयोजित किए गए हैं, जिनमें आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित कार्यकलाप भी शामिल हैं, जिसके दौरान राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में छह महीने तक चलने वाला "स्वस्थ मन, स्वस्थ तन" मानसिक स्वास्थ्य अभियान चलाया गया।

इसके अतिरिक्त, मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) की एक नियमित विशेषता है, जहाँ प्रत्येक वर्ष एक समर्पित पखवाड़े का जनसंपर्क अभियान चलाया जाता है, जिससे लाखों आगंतुकों तक पहुँचा जा सकता है।

टेली मानस टीमों ने स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों, आईटीआई, विश्वविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों, वृद्धाश्रमों, अनाथालयों, स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों, कार्यस्थलों और पेशेवर सभाओं में अनेक जागरूकता-सत्र और प्रचार-प्रसार संबंधी कार्यकलाप आयोजित किए हैं। भारतीय रेलवे के लोको पायलटों और उनके परिवारों, आरक्षित पुलिस कर्मियों, आयकर अधिकारियों, नर्सिंग और सामाजिक कार्य के छात्रों और सामान्य परामर्शदाताओं के लिए विशेष पहल की गई हैं, जिनमें इस अवधि के दौरान कई हजार प्रतिभागियों को शामिल किया गया है।

एपेक्स सेंटर इंस्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर, लिंक्डइन और यूट्यूब पर एक्टिव ऑफिसियल अकाउंटस रखता है, जहाँ व्यापक आईईसी संबंधी सामग्री - पोस्ट, रील, वीडियो और स्टोरीज नियमित रूप से साझा की जाती है।

(ग) पिछले तीन वर्षों में महाराष्ट्र में टेली-मानस द्वारा निपटाई गई कॉलों की संख्या वर्ष 2022 में 2848 से बढ़कर वर्ष 2023 में 47067, वर्ष 2024 में 66045 और वर्ष 2025 में 121151 हो गई है (दिनांक 04.12.2025 तक की स्थिति के अनुसार)।

(घ) उच्चतर शिक्षा विभाग से अनुरोध किया गया है कि वे अपने विभाग के अंतर्गत आने वाले शिक्षण संस्थानों में एनटीएमएचपी/टेलीमानस का व्यापक प्रचार-प्रसार करें और छात्रों को तनावपूर्ण और चुनौतीपूर्ण समय में सहायता प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन नंबर साझा करें। राष्ट्रीय महत्व के सभी संस्थानों, एम्स और केंद्रीय सरकारी मेडिकल कॉलेजों से भी अनुरोध किया गया है कि वे छात्रों के बीच टेलीमानस का प्रचार-प्रसार करें ताकि वे निःशुल्क और गोपनीय सहायता के लिए किसी भी समय हेल्पलाइन का उपयोग कर सकें।

सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से भी अनुरोध किया गया है कि वे अपने-अपने राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में एनटीएमएचपी/टेलीमानस का व्यापक परिचालन और प्रचार-प्रसार करें। यह प्रचार-प्रसार विभिन्न माध्यमों जैसे प्रिंट पोस्टर, इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आदि के माध्यम से सभी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों/शिक्षण संस्थानों/हॉस्टलों/निजी और सरकारी कार्यस्थलों/कारागारों /अनाथालयों और राज्यों की वेबसाइटों/वेब पोर्टलों पर किया जाना चाहिए ताकि व्यापक जागरूकता सुनिश्चित हो सके।

(ङ) राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक कुल 230.98 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं और 140.69 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 5.00 करोड़ रुपये प्रत्येक का एक समर्पित आईईसी बजट स्वीकृत किया गया है, जिसका संचालन शीर्ष संस्थान द्वारा टेली-मानस जन-जागरूकता और संचार संबंधी कार्यकलापों के लिए किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को स्थानीय पहुँच के लिए एनएचएम केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत आईईसी प्रावधान करने की भी सलाह दी गई है।

*****